Date- 31/03/2020 Degree-I (ECO. HONS.) (1)

TOPIC - Theory of Demand (माँग का सिद्धांत)

माँग की परिभाषायें :-

सामान्यतया माँग से अभिप्राय सभी प्रभावपूर्ण इच्छाओं से है। अर्थात प्रभावपूर्ण इच्छाओं को माँग कहते हैं। परन्तु विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने माँग को भिन्न-भिन्न रूपों में परिभाषित किया है। माँग के इन परिभाषाओं को हम निम्नांकित तीन वर्गों में वर्गीकृत करके अध्ययन कर सकते हैं।:-

(I) प्रथम वर्गीकरण :- इस वर्गीकरण के अंतर्गत माँग का संबंध प्रभावपूर्ण इच्छा से है। इस कोटि के अंतर्गत प्रो० पेन्सन ने माँग को परिभाषित करते हुए कहा है कि माँग केवल एक प्रभावपूर्ण इच्छा है। इसमें तीन बातें सम्मिलित होती हैं- (a) किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा (b) उसे क्रय करने के साधन (c) साधनों को वस्तु के खरीद के लिए व्यय करने की तत्परता।

(II) द्वितीय वर्गीकरण :- इस वर्गीकरण के अंतर्गत माँग का संबंध मूल्य से है। इस कोटि के अंतर्गत प्रो० मिल ने मुख्य रूप से परिभाषित करते हुए कहा है कि माँग का अभिप्राय किसी वस्तु के उस मात्रा से है जो एक निश्चित मूल्य पर खरीदी जाती है। अर्थात इस दृष्टिकोण से माँग का संबंध पूर्ण रूप से मूल्य से है।

Date __/__/____

(iii) तृतीय वर्गीकरण :— इस वर्गीकरण के अंतर्गत माँग का संबंध कीमत एवं समय दोनों से है। इस कोटि के अंतर्गत मुख्य रूप से प्रो० बेन्हम ने माँग को परिभाषित करते हुए कहा है कि किसी दिए हुए मूल्य पर वस्तु की माँग उस परिमाण को कहते हैं जो उस मूल्य पर एक निश्चित समय में क्रय की जाती है।

माँग की परिभाषाओं के उपरोक्त वर्गीकरण से यह स्पष्ट है कि माँग की क्रिया सम्पादित होने के लिए अर्थात इच्छाओं को माँग में परिवर्तित होने के लिए निम्नांकित तत्वों का होना आवश्यक है :—

(i) वस्तु की इच्छा का होना।

(ii) वस्तु को क्रय करने हेतु संसाधन का होना।

(iii) वस्तु जिसकी क्रय की जानी है, उसका निश्चित मूल्य का होना।

(iv) वस्तु को क्रय करने हेतु निश्चित समय का होना।

(v) वस्तु को खरीद करने हेतु व्यय करने की तत्परता का होना।

अर्थात उपरोक्त पाँचों तत्वों के मौजूदगी में ही इच्छा माँग में परिवर्तित होती है।

Maharaza

Date __/__/____

मांग फलन एवं मांग को प्रभावित करने वाले तत्व :-

मांग फलन से तात्पर्य इस बात का पता लगाना होता है कि कौन-कौन से तत्व मांग को निर्धारित करते हैं। अर्थात एक निश्चित समय पर किसी वस्तु की मांग फलन उस वस्तु को खरीदी जा सकने वाली विभिन्न मात्राओं को प्रभावित करने वाले तत्वों के आपसी संबंध से है अतः मांग को प्रभावित करने वाले निम्नांकित तत्वों को विश्लेषित किया जा सकता है :—

(1) वस्तु की कीमत :— किसी वस्तु की मांग उसकी कीमत पर निर्भर करती है वस्तु की मांग एवं वस्तु की कीमत में विपरीत संबंध होता है अर्थात वस्तु के कीमत में वृद्धि के साथ उसके मांग में कमी हो जाती है

(2) संबंधित वस्तुओं की कीमत :— स्थानापन्न या प्रतियोगी वस्तुओं एवं पूरक वस्तुओं के कीमत की मांग फलन पर प्रभाव पड़ता है

(3) उपभोक्ता की आय :— वस्तु की मांग उपभोक्ता की आय पर निर्भर करती है उपभोक्ता की आय से वस्तु की मांग प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है

(4) उपभोक्ता की रूचि :— किसी वस्तु की मांग उपभोक्ता की रूचि पर भी निर्भर करती है

Date __/__/____ Page No.: ____

(5) रुचि में परिवर्तन :- रुचि में परिवर्तन का वस्तु के माँग के साथ प्रत्यक्ष संबंध है।

(6) जनसंख्या में परिवर्तन :- जनसंख्या में परिवर्तन के कारण वस्तु की माँग की मात्रा में परिवर्तन होता है।

(7) मुद्रा की मात्रा में परिवर्तन :- जब देश में मुद्रा की मात्रा बढ़ जाती है, तब मूल्य स्तर ऊँचा होता है फलतः वस्तुओं की औसत माँग कम हो जाती है।

(8) बचत करने की प्रवृत्ति में परिवर्तन - बचत करने की प्रवृत्ति में परिवर्तन के कारण वस्तु की माँग में परिवर्तन हो जाता है।

व्याख्यान लेखक

डा० अभय कुमार पाठक
अर्थशास्त्र विभाग,
मारवाड़ी महाविद्यालय,
दरभंगा।

Mob- 9939036994

Maharaza